नैक (NAAC) द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997] क्रमांक के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

हिंदी विश्वविद्यालय में जल समस्या और संरक्षण पर व्याख्यान

जल है तो कल है – डॉ. उल्हास फड़के

वर्धा, 31 जनवरी 2020: बढ़ती जनसंख्या, बेमौसम बारीश और पानी के अनावश्यक बहाव के कारण मौजुदा हालात में पानी की कमी की समस्या से जुझना पड़ रहा है। हमें पानी को रोक कर जहां-जहां बचाया जा सकता है वहां-वहां बचाना चाहिए। यदि जल होगा तभी हमारा भविष्य बचा रहेगा। ये बातें महाराष्ट्र जल एवं सिंचाई आयोग के पूर्व सदस्य और जल विशेषज्ञ डॉ. उल्हास फड़के, भंडारा ने कही। वे महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत 'जल समस्या और संरक्षण' विषय पर विशेष व्याख्यान में बोल रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रतिकुलपति प्रो.चंद्रकांत रागीट ने की । इस अवसर पर

महात्मा गांधी फ्यूजी गुरुजी समाज कार्य अध्ययन केंद्र के निदेशक प्रो. मनोज कुमार और सामाजिक कार्यकर्ता मंजुषा रागीट प्रमुखता से उपस्थित थे।

स्वच्छता पखवाड़ा (16-31) के उपलक्ष्य में डॉ. फड़के का विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। उन्होंने कहा कि हमारे संविधान में पानी विषय राज्य सूची में है । देश में एक दूसरे राज्य से होकर अनेक नदियां बहती है और इससे पानी के बटवारे की समस्याएं आती रहती हैं। उनका कहना था कि जीवन और पानी एक दुसरे पर निर्भर करते हैं। यदि हम पीने के उपयोग में आने वाले पानी का उपयोग घर में अनेक कामों के लिए करते है इससे अच्छा पानी अनावश्यक नष्ट होता है। पानी और अन्य उपयोग के लिए अलग-अलग नलों को लगाने से पानी पर होने वाला खर्च भी बचेगा और पानी भी। पानी की बचत के जहां पानी बह रहा हैं वहीं पर उसको रोकना चाहिए, खेती के लिए ड्रिप और स्प्रिंकलर का उपयोग करना चाहिए आदि सुझाव भी उन्होंने दिए। पानी की बचत को लेकर समाज में जागरूकता लाने हेतु जल पत्रकारिता को प्रोत्साहन देने की बात भी उन्होंने कही। प्रतिकुलपति प्रो. चंद्रकांत रागीट ने कहा कि शुद्ध और पिने के पानी का उपयोग सिंचाई और कारखानों के लिए कम होना चाहिए, इससे खर्च और पानी में बचत की जा सकती है। प्रो. मनोज कुमार ने जल,

जंगल और जमीन के संरक्षण के लिए मिलकर काम करने की बात कही । कार्यक्रम का संचालन जनसंपर्क

अधिकारी बी. एस.मिरगे ने किया। इस अवसर पर डॉ. रवींद्र बोरकर ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम में डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी, राजेश लेहकपुरे, डॉ. मिथिलेश कुमार श्रीनिकेतन मिश्र,मंदार बोडखे, नरेंद्र दिवाकर, गजानन निलामे सहित विद्यार्थी उपस्थित थे।